11 हवा
(संवाद)

(मितिशा दौड़ी-दौड़ी आई। दादी की गोद में लेट गई और बोली...)

मेघा : "दादी! बाहर बहुत तेज हवा चल रही है। मैं तो डर गई। भागकर आई हूँ। देखिए, दरवाजे और खिड़कियाँ बार-बार फटाक-फटाक कर रहे हैं।"

दादी : "हाँ बेटा! उठ, जल्दी से खिड़की बंद कर, नहीं तो शीशे टूट जाएँगे।"

मेघा : "जाती हूँ दादी! पर दादी यह तो बताओ कि कभी तो हवा इतनी तेज चलती है और कभी बिलकुल नहीं चलती। इसे एक जैसा चलते रहने का उपाय नहीं सिखाया जा सकता?"

दादी : "बेटा! यह तो प्राकृतिक *संपदा* है। ईश्वर ने यदि धरती पर हवा, पानी, सूरज का प्रकाश और चाँद की शीतलता न दी होती तो यहाँ कोई भी प्राणी जीवित न रह पाता। ये सब हमारे वश में नहीं रह सकते किंतु हमारा जीवन इन्हीं से है।"

मेघा : "जीवन इनसे कैसे है?"

दादी : "रानी बिटिया! यदि हवा न मिले तो हम साँस कैसे लेंगे? साँस के द्वारा हमारे शरीर में ऑक्सीजन जाती है, जिससे हम जीवित रहते हैं। जहाँ ऑक्सीजन नहीं मिलती वहाँ साँस लेने में कठिनाई हो जाती है। तुम्हें याद है न जब शिमला गए थे तो वहाँ की उँची-उँची पहाड़ियों पर चढ़ते समय जल्दी-जल्दी साँस लेनी पड़ती थी।"

मेघा : "दादी! दादाजी और आप तो सबसे पीछे रह गए थे और थक भी गए थे, क्या इसीलिए?"

दादी : "हाँ बेटा! अधिक ऊँचाई पर हवा में ऑक्सीजन कम होती है। वहाँ चारों ओर शांति होती है, इसलिए वहाँ हवा की साँय-साँय भी सुनाई दे जाती है।"

मेघा : "हाँ दादी! जब मैं पटनी टॉप जा रही थी तो सर-सर, साँय-साँय की आवाज से डर ही गई थी। मम्मी ने समझाया कि डरो नहीं, यह तो हवा की आवाज है। अच्छा दादी! यह भी बताइए कि हवा और क्या काम करती है?

दादी : "अच्छा! तुम्हें इतनी जिज्ञासा है तो मैं सब बताऊँगी, ध्यान से सुनो। हवा को अग्नि-सखी कहते हैं क्योंकि बिना हवा के आग नहीं जल सकती। तुम यह प्रयोग करके देख लेना कि यदि मोमबत्ती जलाकर उसे जार से इस प्रकार ढक दो कि हवा अंदर न जाने पाए तो वह बुझ जाएगी।"

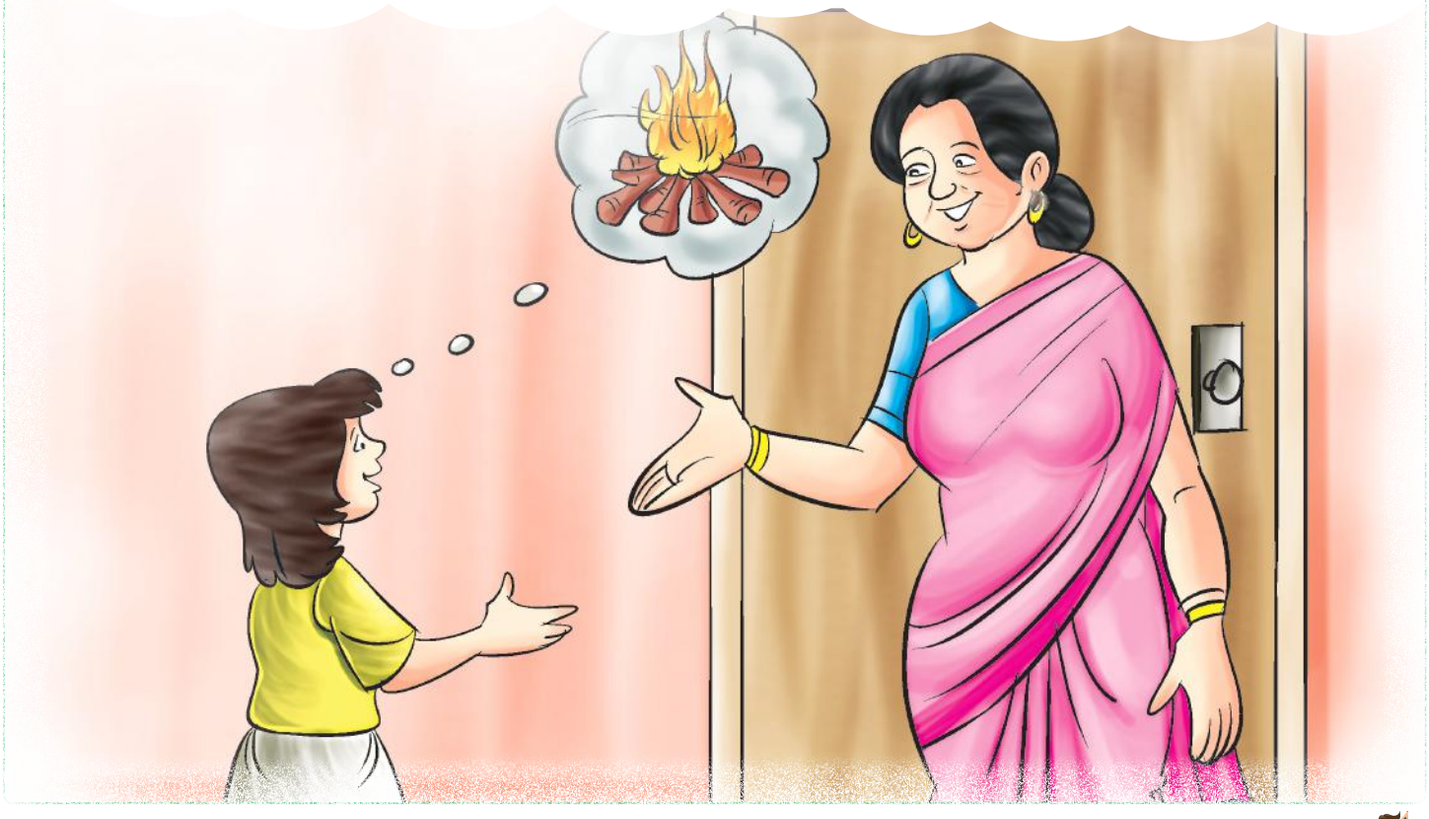

मेघा : "दादी ! मैं अभी जाकर यह प्रयोग करूँगी।"

दादी : "ठहरो! पहले मेरी पूरी बात सुन लो, फिर प्रयोग करना।"

हवा में बड़ी शक्ति भी है। साइकिल, मोटर और बस के टायरों में भी हवा से भरी हुई ट्यूब होती है। यदि हवा निकल जाए तो वे चल ही नहीं पाएँगे। हवा ही सागर से बादलों के रूप में नमी लेकर वर्षा करवाती है जिससे धरती हरी-भरी है।

मेघा : आप तो बस हवा के गुण बताए जा रही हैं, उसमें कोई *अवगुण* भी तो होगा?

दादी : अवगुण उसमें स्वयं नहीं है, हम उसे अवगुण युक्त बना देते हैं।

मेघा : कैसे?

दादी : गंदी चीजों के जलने, कल-कारखानों के गंदे धुएँ आदि से हवा *दूषित* हो जाती है। तब यह *विषैली* बन जाती है। ऐसी हवा में साँस लेने से हमारे स्वास्थ्य पर बुरा प्रभाव पड़ता है। इसी हवा से *संक्रामक* रोग फैलते हैं; जैसे– जुकाम, फ्लू, चेचक आदि। लेकिन प्रकृति के अन्य तत्व जैसे सूर्य की तेज किरणें हवा में फैले इन संक्रामक *जीवाणुओं* को जला देते हैं।

इसी तरह वनस्पतियाँ दूषित गैस (कार्बन-डाई-ऑक्साइड) को हवा से खींच लेती हैं और ऑक्सीजन छोड़ती हैं।

मेघा : ओह-ओ! दादी! तभी तो दादाजी पेड़-पौधे लाकर रोपते रहते हैं।

दादी : हाँ, बेटा! हम सभी को सदा स्वच्छ हवा में रहने का *प्रयास* करना चाहिए क्योंकि स्वच्छ वायु ही जीवन दे सकती है। इसको शुद्ध और पवित्र रखना हमारा कर्त्तव्य है।

मेघा : वाह! दादी! आपने तो मेरी आँखे खोल दीं। मैं तो हवा के गुणों को जानती ही न थी। अब मैं अपनी सहेलियों को इसके बारे में बताऊँगी।

शब्द-अर्थ

संपदा — धन *(property)*,
दूषित — दोष युवत *(corrupt)*,
संक्रामक — छूत से फैलने वाला रोग *(infectious)*,
रोपना — लगाना *(planting)*,
अवगुण — बुरे गुण *(demerit)*,
विषैली — जहरीली *(toxic)*,
जीवाणु — छोटे-छोटे जीव *(bacteria)*,
प्रयास — कोशिश *(try)*,।

अभ्यास

मौखिक

1. इन शब्दों को पढ़कर सुनाइए–

खिड़कियाँ	प्राकृतिक	संपदा	शीतलता	ऑक्सीजन
कठिनाई	साँय-साँय	जिज्ञासा	कल-कारखाने	स्वास्थ्य
संक्रामक	जीवाणुओं	वनस्पतियाँ	पवित्र	कर्तव्य

2. निम्नलिखित प्रश्नों के मौखिक उत्तर दीजिए–

(क) मेघा किसके पास दौड़कर आई?

(ख) मेघा क्यों डर गई थी?

(ग) हवा हमारे लिए किस प्रकार उपयोगी है?

लिखित

1. सही उत्तर पर (✓) का निशान लगाइए–

(क) जीवित रहने के लिए आवश्यक है.....

☐ नाइट्रोजन ☐ ऑक्सीजन ☐ कार्बन-डाई-ऑक्साइड

(ख) हवा को 'अग्नि-सखी' कहते हैं क्योंकि...

☐ हवा आग की सहेली है। ☐ हवा के बिना आग जल नहीं सकती।

☐ हवा आग को बुझा देती है।

2. वाक्यों को पूरा कीजिए–

ऑक्सीजन, खिड़कियाँ, ट्यूब, प्राकृतिक, जीवित

(क) हवा से ..... बार-बार फटाक-फटाक कर रही हैं।

(ख) हवा ..... संपदा है।

(ग) हवा के न होने से प्राणी ..... नहीं रह सकता।

(घ) अधिक ऊँचाई पर हवा में ..... कम होती है।

(ङ) साइकिल, मोटर के टायरों में भी हवा से भरी हुई ..... होती है।

3. सही वाक्यों के सामने (✓) तथा गलत के सामने (✗) का निशान लगाइए–

(क) तेज हवा चलने पर खिड़कियाँ बंद कर देनी चाहिए। ☐

(ख) ऊँचाई पर ऑक्सीजन अधिक हो जाती है। ☐

(ग) हवा को अग्नि-सखी कहते हैं। ☐

(घ) दूषित हवा कई संक्रामक रोग फैलाती है। ☐

(ङ) हवा वर्षा में बाधक होती है। ☐

4. शब्दों को उनकी ध्वनियों से मिलाइए–

शब्द		ध्वनियाँ	
(क)	हवा	(i)	कड़कड़
(ख)	बादल	(ii)	टपटप
(ग)	पत्ता	(iii)	झरझर
(घ)	पानी	(iv)	गड़गड़
(ङ)	बिजली	(v)	साँय-साँय
(च)	झरना	(vi)	खड़-खड़

5. आपने कितना समझा?

क्या होता यदि.....

(क) धरती पर हवा न होती .....

(ख) मोमबत्ती जलाकर जार से ढक दी जाती .....

(ग) टायरों में हवा न होती .....

(घ) हवा दूषित हो जाती .....

6. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

(क) मेघा क्यों डर गई थी?

(ख) हवा एक प्राकृतिक संपदा है। स्पष्ट कीजिए।

(ग) दादी ने मेघा को हवा के बारे में क्या समझाया?

(घ) हवा किस प्रकार दूषित होती है?

(ङ) हम किस प्रकार हवा को स्वच्छ रख सकते हैं?

भाषा-ज्ञान

1. बाईं ओर दिए शब्द का सही भेद चुनिए–

मेघा –	संज्ञा ☐	सर्वनाम ☐	विशेषण ☐	क्रिया ☐
हमारा –	क्रिया ☐	विशेषण ☐	संज्ञा ☐	सर्वनाम ☐
विषैली –	सर्वनाम ☐	क्रिया ☐	विशेषण ☐	संज्ञा ☐
बुझना –	विशेषण ☐	संज्ञा ☐	क्रिया ☐	सर्वनाम ☐

2. आप जान चुके हैं कि काम करने वाले शब्दों को क्रिया कहते हैं।

इस पाठ में बहुत-सी क्रियाएँ हैं, उन्हें छाँटकर नीचे लिखिए–

....

....

....

....

....

3. इन शब्दों का शुद्ध उच्चारण करके तीन-तीन बार लिखिए–

(क) विषैली ....

(ख) संक्रामक ....

(ग) जीवाणु ....

(घ) प्रयास ....

क्रियात्मक गतिविधि

- अपनी अध्यापिका की सहायता से जलचक्र का चित्र बनाएँ और सीखें कि वर्षा कैसे आती है?